भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-69
उत्तर देने की तारीख-01/12/2025

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

69. **श्री अशोक कुमार रावतः**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षण हेतु उपलब्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार इसका आयोजन आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अनुसार कर रही है और यदि हाँ, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं; और
(ग) इस योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की विषय-वस्तु और अपनाई गई प्रणालियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सिफारिशों के अनुरूप समग्र शिक्षा की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रमों के सुदृढ़ीकरण में सहायता प्रदान की जाती है। समग्र शिक्षा के तहत उपायों का उद्देश्य शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) में वास्तविक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना है; राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों (एससीईआरटी) की सहायता करना ताकि वे प्रभावी ढंग से और कुशलता से गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा, अनुसंधान कर सकें और स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (एनसीएफ-एसई) के अनुवर्ती के रूप में राज्य-विशिष्ट पाठ्यक्रम ढांचे को विकसित कर सकें; जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) के पदाधिकारियों का क्षमता निर्माण; और बीआरसी/सीआरसी के माध्यम से स्कूलों को निरंतर शैक्षणिक सहायता प्रदान करना हैं।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने केंद्र प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा के तहत निष्ठा - नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट नामक एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर सीखने के परिणामों में सुधार के लिए एक राष्ट्रीय मिशन भी शुरू किया है। निष्ठा "एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार" के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम है। निष्ठा ऑनलाइन को अक्टूबर वर्ष 2020 में दीक्षा प्लेटफॉर्म का उपयोग करके लॉन्च किया गया था। निष्ठा प्रशिक्षण को 2021-22 में माध्यमिक स्तर के शिक्षकों तक बढ़ाया गया था और बाद में मास्टर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) और प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) को कवर करने के लिए इसका विस्तार किया गया था।

सरकार ने केन्द्रीय प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से सभी कार्यात्मक जिला शिक्षा संस्थानों (डीआईईटी) को उत्कृष्टता केन्द्रों के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, और वित्त वर्ष 2023-24 में 125 डीआईईटी के उन्नयन के लिए 917.09 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 121 डीआईईटी के उन्नयन के लिए 1,512.50 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा, एनईपी 2020 के संदर्भ में, राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनपीएसटी) पर एक मार्गदर्शक दस्तावेज और राष्ट्रीय परामर्श मिशन (एनएमएम) पर एक ब्लूबुक जारी की है। एनपीएसटी विभिन्न चरणों/स्तरों पर शिक्षकों की दक्षताओं को परिभाषित करता है, और एनएमएम पर ब्लूबुक स्कूली शिक्षकों को उनकी क्षमता निर्माण बढ़ाने के लिए सलाह देने के तौर-तरीकों की रूपरेखा तैयार करती है।

एनसीईआरटी, एससीईआरटी, डीआईईटी, बीआरसी और सीआरसी भी संसाधन सामग्री के विकास, शैक्षिक पर्यवेक्षण, क्षमता निर्माण और ऑन-साइट सहायता के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण के कार्यान्वयन में सहायकता करते हैं। ये संस्थान समकालीन शिक्षण आवश्यकताओं के साथ कक्षा प्रथाओं को अनुकूलित करने के लिए शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं, सेमिनारों, गुणवत्ता निगरानी गतिविधियों और स्कूल-आधारित शैक्षणिक सहायता का आयोजन करते हैं।

******